B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-VII

(Indian Social Institution and Polity)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. 'क' विभागात्, प्रश्नषट्कञ्च 'ख' विभागात् प्रश्नचतुष्टयञ्च आश्रित्य दशप्रश्नानामुत्तरं सुरगिरा देवनागर्यां च समाधीयताम्। 2×10=20

'क' বিভাগ থেকে *ছয়টি* ও 'খ' বিভাগ থেকে *চারটি প্রশ্ন* নিয়ে *দশটি প্রশ্নের* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো।

'क'-विभाग:

বিভাগ–'ক'

(a) मनुसंहितायाः कति अध्यायाः? पाठ्याध्यायस्य नाम किम्?
মনুসংহিতায় ক'টি অধ্যায় আছে? পাঠ্য অধ্যায়টির নাম কী?

(b) मनुसंहितायाः प्रसिद्धटीकाद्वयस्य टीकाकारद्वयस्य च नाम लिख्यताम्।
মনুসংহিতার প্রসিদ্ধ দু'টি টীকা ও টীকাকার দু'জনের নাম লেখো।

(c) "ब्राह्मं प्राप्तेन संस्कारं क्षत्रियेण यथाविधि"— ब्राह्मसंस्कारं किम्?
"ব্রাহ্মং প্রাপ্তেন সংস্কারং ক্ষত্রিয়েণ যথাবিধি"— ব্রাহ্মসংস্কার কী?

(d) "तस्य सिद्धिश्च परमा यथा"— कस्य सिद्धिरत्र वर्णिता? परमा सिद्धिः का?
"তস্য সিদ্ধিশ্চ পরমা যথা"— কার সিদ্ধি এখানে বর্ণিত? পরমা সিদ্ধি কী?

(e) छिद्रं किम्? राज्ञा केन प्रकारेण छिद्राणि समाधेयानि?
ছিদ্র কী? রাজা কিভাবে ছিদ্রের সমাধান করবেন?

(f) कः खलु दण्डः? कथं स धर्म इत्युच्यते?
দণ্ড কী? কেন দণ্ডকে ধর্ম বলা হয়?

(g) संहिता शब्दस्य कोऽर्थः? मनुसंहिता कीदृशः ग्रन्थः?
সংহিতা শব্দের অর্থ কী? মনুসংহিতা কীজাতীয় শাস্ত্র?

(h) के विषया: मनुसंहितायामालोचिता:?

কী কী বিষয় মনুসংহিতায় আলোচিত হয়েছে?

(i) ''कुरुते धर्मसिद्ध्यर्थं विश्वरूपं पुन: पुन:''— तात्पर्यं किम्?

'' কুরুতে ধর্মসিদ্ধ্যর্থং বিশ্বরূপং পুনঃ পুনঃ— কী তাৎপর্য?

'ख'-विभाग:

বিভাগ–'খ'

(j) अर्थशास्त्रे अर्थशब्दस्य कीऽर्थ:?

অর্থশাস্ত্রে অর্থ শব্দের অর্থ কী?

(k) 'दूतप्रणिधि:' कस्मिन् अधिकरणे कस्मिन् अध्याये चोपलभ्यते? अधिकरणस्य नाम किम्?

'দূতপ্রণিধিঃ' অর্থশাস্ত্রের কোন অধিকরণে ও কোন অধ্যায়ে আছে? অধিকরণটির নাম কী?

(l) कथं राजान: 'दूतमुखा' इति कथ्यते?

কী কারণে রাজাকে 'দূতমুখ' বলা হয়?

(m) 'उद्धृतमन्त्रो दूतप्रणिधि:'– शब्दद्वयं व्याख्यायताम्।

''উদ্ধৃতমন্ত্রো দূতপ্রণিধিঃ'— শব্দদুটিকে ব্যাখ্যা করো।

(n) 'सार-वृत्ति-गुप्ति-छिद्राणि' — संक्षेपेण वर्णनीया:।

'সার-বৃত্তি-গুপ্তি-ছিদ্রাণি'— সংক্ষেপে বর্ণনা করো।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नचतुष्टयस्योत्तरं *समाधेयम्*। तेषु *प्रश्नद्वयस्योत्तरं* संस्कृतभाषयाऽवश्यं प्रदेयम्। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নেগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। সেগুলির মধ্যে দু'টি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃতভাষায় দিতে হবে।

(a) पाठ्यांशमनुसृत्य दण्डस्य स्वरूपं लिख्यताम्।

পাঠ্যাংশের অনুসরণে দণ্ডের স্বরূপ সম্পর্কে আলোচনা করো।

(b) व्याख्यायताम् :

ব্যাখ্যা করো ঃ

महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति।

(c) व्याख्यायताम् :

ব্যাখ্যা করো ঃ

वकवच्चिन्तयेदर्थान् सिंहवच्च पराक्रमेत्।

वृकवच्चावलुम्पेत शशवच्च विनिष्पतेत्।।

(d) मातृभाषाया अनुवाद: करणीय:

मातृभाषाय अनुवाद करो ः

परस्य वाचि वक्त्रे दृष्ट्या च प्रसादं वाक्यपूजनमिष्टपरिप्रश्नं गुणकथासङ्गमासन्नभासनं सत्कारमिष्टेषु स्मरणं विश्वासगमनञ्च लक्षयेत्तुष्टस्य विपरीतमतुष्टस्य।

(e) संक्षेपत: टीका लेखितव्या:- पार्ष्णिग्राह:, आक्रन्द:, आसार:

संक्षेपे पार्ष्णिग्राह, आक्रन्द ও আসার বিষয়ে টীকা লেখো।

(f) व्याख्यायताम् : एक: शयीत: सुप्तमत्तयोर्हि भावज्ञातं दृष्टम्।

ব্যাখ্যা করো ঃ एक: शयीत: सुप्तमत्तयोर्हि भावज्ञातं दृष्टम्।

3. अधोनिर्दिष्टात् विभागद्वयात् एकैकमेव प्रश्नमाकल्य *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

নিম্নে নির্দিষ্ট দুটি বিভাগ থেকে একটি করে প্রশ্ন নিয়ে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

'क'-विभाग:

বিভাগ–'ক'

मनुसंहितामवलम्ब्य नृपतेरुत्पत्ते: दैवस्वरूपं व्याख्यायताम्।

মনুসংহিতা অবলম্বনে রাজার উৎপত্তির দৈবস্বরূপ ব্যাখ্যা করো।

Or,

उपाय चतुष्टयं किम्? तेषां स्वरूपं च उपयोगश्च आलोचिनीयौ। 2+8=10

উপায় চতুষ্টয় কী? তাদের স্বরূপ ও উপযোগ আলোচনা করো।

'ख'-विभाग:

বিভাগ–'খ'

दूत: कतिविध:? अर्थशास्त्रमनुसृत्य दूतस्य कार्यावलीं वर्ण्यताम्।

দূত কয়প্রকার? 'अर्थशास्त्र' অনুসারে দূতের কার্যাবলী বর্ণনা করো।

Or,

'दूतप्रणिधि:' इति पाठ्यांशस्य अन्तिमश्लोकत्रयम् देवनागरीलिप्याम् उद्धृत्य तेषामनुवाद: मातृभाषयां क्रियताम्।

'দূতপ্রণিধি' এই অন্তিম শ্লোক তিনটির দেবনাগরী লিপিতে উদ্ধৃতিসহ মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।